Need for legislation to uproot superstition from the country-Laid

श्री रमाशंकर विद्यार्थी राजभर **(**सलेमपुर**) :** मैं आपका ध्यान देश में बढ़ते अंधविश्वास की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं, जिससे व्यापक रूप से जन-धन की हानि हो रही है । दुर्भाग्यवश, सरकार के पास न तो अंधविश्वास से हो रही हानि पर निगरानी तंत्र है और न ही इस पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कानून बना है । अतीत में सती प्रथा, अस्पृश्यता, देवदासी प्रथा जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ कानून बनाकर समाज में सुधार किए गए थे । लेकिन आज भी कई स्थानों पर गरीबी और अशिक्षा के कारण अंधविश्वास फैलाया जा रहा है, जहां लोग अपनी जीभ काटते हैं, बच्चों को शारीरिक कष्ट देते हैं या नरबलि जैसी कुप्रथाओं का शिकार होते हैं । अंधविश्वास के खिलाफ न तो कोई सरकारी सर्वेक्षण है और न ही जागरूकता अभियान । अतः मेरी सरकार से मांग है कि अंधविश्वास को जड़ से मिटाने के लिए ठोस तंत्र विकसित किया जाए और सख्त कानून बनाया जाए ।